अंतर्राष्ट्रीय सेवा समाचार

पूर्व और पश्चिम के राजयोगी परिवारों ने स्नेह मिलन में साझा किए अपने अनुभव

दिल्ली और मुम्बई से ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़े पवित्र युगलों की भागीदारी के साथ एक संवाद का हुआ आयोजन

रशिया-सेंट पीटर्सबर्ग। रशिया में परिवार वर्ष(2024) के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा नई मूल्य आधारित परियोजना 'एक खुशहाल, शुद्ध, समृद्ध परिवार- ईश्वर की उत्कृष्ट कृति' के अंतर्गत लाइटहाउस सेवाकेंद्र में आयोजित 'परिवार में डबल लाइट माहौल बनाने की कला' विषयक सार्वजनिक संवाद कार्यक्रम में दिल्ली और मुम्बई से युगल जोड़ों (बीके सदस्यों) का एक बड़ा समूह पहुंचा, जिससे समारोह की सुंदरता बढ़ गई। ईश्वर की याद में, शुभ कामनाओं और आध्यात्मिक प्रेम के साथ पकाए गए शुद्ध शाकाहारी भोजन में निहित सूक्ष्म ऊर्जाओं के बारे में बोलते हुए, प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और लेखिका, डायनेमिक माइंड्स ग्रुप,दिल्ली की सीईओ ब्र.कु. अदिति ने कहा कि इस समझ और अभ्यास ने आंतरिक शांति बहाल करने और अपने परिवार के सदस्यों के साथ खुशहाल और संतुलित सम्बंधों को बढ़ाने में मुझे सक्षम बनाया। ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ बिज़नेस स्टडीज़ के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्य ब्र.कु. नितिन बेरी,मुम्बई ने बताया कि कैसे संसार के सर्व आत्माओं के पिता परमात्मा की शक्ति ने उन्हें निराशा से बचाया और उनके मन में स्पष्टता, स्वीकृति और लोगों की अधिक सराहना करने की क्षमता भर गई।

उत्तर-पश्चिम क्षेत्रीय स्वास्थ्य केंद्र,रशिया की महानिदेशक,प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. वैलेंटिना सुलोयेवा ने बताया कि सकारात्मक दृष्टिकोण और प्रसन्न मनोदशा शारीरिक स्वास्थ्य, करियर विकास और परिवार के सदस्यों और सहकर्मियों के साथ हार्दिक, ईमानदार सम्बंध सुनिश्चित करने का मुख्य आधार है। सेंट पीटर्सबर्ग लाइटहाउस सेवाकेंद्र की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष दीदी ने कहा कि भारत से आये हुए युगल एवं स्थानीय युगलों के साथ विचारों की लेनदेन से भारतीय संस्कृति को समझने का और अच्छा मौका मिला और सबको बहुत खुशी हुई।

मिलपिटास में नये सेवाकेंद्र के उद्घाटन अवसर पर पहुंचीं ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी मोहिनी दीदी एवं राजयोगिनी जयंती दीदी

सिलिकॉन वैली-मिटपिटास (यूएसए)। ब्रह्माकुमारीज़ की प्रथम मुख्य प्रशासिका मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती के पुण्य स्मृति दिवस एवं नये सेवाकेंद्र के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होकर संस्थान की अति. मुख्य प्रशासिका एवं न्यू यॉर्क स्थित ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्रों की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी दीदी ने मम्मा के साथ के अनुभव साझा करते हुए कहा कि मम्मा की पालना की शक्ति आज भी हम सबके साथ कार्य कर रही है। संस्थान की अति. मुख्य प्रशासिका एवं यूरोप स्थित सेवाकेंद्रों की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी ने भी मम्मा के साथ के अनुभव साझा किये। इस मौके पर स्थानीय ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्रों की निदेशिका ब्र.कु. कुसुम बहन, ब्र.कु. भानु बहन तथा अन्य भाई-बहनें मौजूद रहे।

स्व-अनुशासन की कला सिखाता है राजयोग

मंगोलिया-उलानबटोर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर हेल्दी लाइफस्टाइल क्लब एवं ब्रह्माकुमारीज़ के संयुक्त तत्वाधान में राजयोग मेडिटेशन के ज्ञान और इसके अभ्यास के संदर्भ में 'ट्रूयू लीडरशिप' विषय पर सेमिनार का आयोजन हुआ। इस मौके पर सभी ने राजयोग मेडिटेशन की गहन अनुभूति की और यह जाना कि बिना खुद पर शासन के यानि बिना खुद के कार्य, खुद के शब्द, विचार और आदतों पर नियंत्रण के हम किसी और के लिए आदर्श नहीं बन सकते और किसी को भी प्रेरित नहीं कर सकते।

इसके साथ ही स्थानीय ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर आयोजित सामूहिक योग कार्यक्रम में द यूएन रीप्रेज़ेंटेटिव इन मंगोलिया तपन मिश्रा शामिल हुए और अपने विचार सभी के समक्ष रखे। सभी का यह अनुभव रहा कि हम सभी वास्तव में इस धरती पर सभी के साथ सद्भाव, शांति और समृद्धि के साथ रहना चाहते हैं।

एनओपीएनए ब्लॉक पार्टी में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की रही सहभागिता

सैन फ्रांसिस्को-यूएसए। ब्रह्माकुमारीज़ मेडिटेशन सेंटर,सैन फ्रांसिस्को ने नॉर्थ ऑफ पैनहैंडल नेबरहुड एसोसिएशन (एनओपीएनए) ब्लॉक पार्टी में भाग लिया। इस ब्लॉक पार्टी में दो स्थानीय राजनेता डीन प्रेस्टन,जिला 5 के पर्यवेक्षक तथा सैन फ्रांसिस्को के मेयर लंदन ब्रीड

शामिल हुए, जो मूल रूप से जिला 5 के पड़ोस से थे तथा जिन्होंने पहले भी ब्रह्माकुमारीज़ सैन फ्रांसिस्कों का दौरा किया था। ब्लॉक पार्टी में पड़ोसी, परिवार, कलाकार, स्थानीय व्यापार मालिक और संगठन शामिल थे। ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से 'वर्च्यू व्हील्स' और 'सांप और सीढ़ी' बोर्ड गेम का आयोजन किया गया था जिसने कई बच्चों और व्यस्कों को अपनी ओर आकर्षित किया। इस दौरान 'ऊपर उठो-कठिनाइयों के बीच सफल हो' विषय पर एक सार्वजनिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया जिसे राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम से पूर्व अंतरधार्मिक समुदाय के चार सदस्यों ने जयंती दीदी से मुलाकात की। सिस्टर डेनिस के साथ एक दिवसीय रिट्रीट का भी आयोजन किया गया जिसका शीर्षक था, 'योग क्रिया में कौशल है'। जिसमें प्रतिभागियों को आत्म चेतना और आध्यात्मिक शक्तियों को प्राप्त करने के लिए परमात्मा से जुड़ने, सकारात्मक सोच पर ध्यान केंद्रित करने और बोलने से पहले शब्दों की जांच करने आदि के बारे में सिखाया गया। इस दौरान लॉस एंजेलिस स्थित ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्रों की निदेशिका ब्र.कु. गीता बहन भी उपस्थित रहीं। इसके साथ ही ब्र.कु.भाई-बहनों ने महावाणिज्यदूत डॉ. श्रीकर रेड्डी के साथ सैन फ्रांसिस्को स्थित भारतीय महावाणिज्यदूतावास द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह में भाग लिया।

नैरोबी में 'फ्यूचर ऑफ पॉवर' का सफल आयोजन

नैरोबी-केन्या(आफ्रीका)। 73वें फ्यूचर ऑफ पावर कार्यक्रम और अफ्रीका में ब्रह्माकुमारीज़ रिट्रीट सेंटर पर पहले एफओपी कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय प्रेरक वक्ता ब्र.कु. शिवानी बहन, सलाहकार बोर्ड के सदस्य नेविल, एफओपी के होस्ट निज़ार जुमा, नैरोबी स्थित ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्रों की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. वेदांती दीदी तथा केन्या से 150 मेहमानों सहित 9 देशों से लोग शामिल हुए।

इसके साथ ही अफ्रीका की सेवा के 50वें वर्ष के उपलक्ष्य में शिवानी बहन के आगमन पर ब्रॉडवॉक मॉल, डायमण्ड ट्रस्ट बैंक, एसएसडीएस टेम्पल फंक्सन हॉल सहित विभिन्न स्थानों पर सार्वजनिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। इस दौरान शिवानी बहन ने सद्भाव, करुणा और सहायता सम्बंधित विषयों पर प्रकाश डाला तथा मानसिक स्वास्थ्य और आध्यात्मिक विकास का महत्व भी बताया, जिसका सभी पर गहरा प्रभाव पड़ा।

रशिया एवं पश्चिमी देशों में भी अधिक लोकप्रिय हो रहा भारत का प्राचीन राजयोग

'योग-समय की पुकार' विषय पर आयोजित हुआ सार्वजनिक कार्यक्रम

मॉस्को-रशिया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ सेंटर पर आयोजित कार्यक्रम में भारतीय दूतावास के जवाहरलाल नेहरू सांस्कृतिक केंद्र की निदेशक मधुरकंकना रॉय ने अपना निजी अनुभव साझा करते हुए कहा कि योग केवल आसन नहीं है, बल्कि बेहतर जीवन जीने का एक साधन है। यह शरीर को आराम देता है, आत्मा को ऊपर उठाता है, परिस्थितियों से निपटने के कौशल विकसित करने और समाधान करने में मदद करता है। उन्होंने

मई 2024 में मॉस्को में शुरू हुआ 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह अगस्त 2024 के अंत तक जारी रहेगा। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि लोगों की योग के प्रति रुचि बढ़ रही है। सिर्फ शारीरिक व्यायाम, आसन, प्राणायाम ही नहीं, बल्कि ध्यान के प्रति भी...।

कहा कि हमें मल्टीटास्किंग के दौरान अपने फोकस को तेज़ करने के लिए ध्यान का अभ्यास करने की आवश्यकता है। उन्होंने प्रसन्नतापूर्वक कहा कि योग अधिकाधिक लोकप्रिय होता जा रहा है, जो लोगों को हमारी अस्त-व्यस्त दुनिया में स्थिरता, शांति और सुकून का अनुभव करा रहा है। योग वास्तव में वर्तमान समय की आवश्यकता है। ब्रह्माकुमारीज़ रशिया,सीआईएस,बाल्टिक देशों की महानिदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुधा दीदी ने ध्यान और योग के बीच का अंतर समझाते हुए कहा कि सबसे पहले, हमें अपने अंदर की ओर मुड़ना होगा और अपनी आत्मा से जुड़ना होगा। अगला कदम है ऊपर की ओर मुड़ना और परमात्मा से जुड़ना जो सभी आत्माओं का परमपिता है। ईश्वर को अपना साथी अवश्य बनाएं। ईश्वर के साथ यह संगति व्यक्ति को शिकायत करने और कठिन परिस्थितियों में निराश होने की आदत से बाहर आने में सक्षम बनाती है। व्यक्ति को समाधान खोजने, अपने मन को प्रसन्न रखने और दूसरों के दिलों को खुश करने के लिए कुछ करने की शक्ति मिलती है। यही राजयोग है। ब्र.कु. विजय भाई और विघनेश्वर पटनायक,डायरेक्टर ऑफ इंडियन स्कूल इन मॉस्को ने अपनी शुभकामनाएं दी। जवाहरलाल नेहरू सांस्कृतिक केंद्र के योग शिक्षक डॉ. बृजेश गुप्ता द्वारा प्राणायाम व व्यायाम का अभ्यास कराया गया।